ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 05-08-2025

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-08-05 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-08-06	2025-08-07	2025-08-08	2025-08-09	2025-08-10
वर्षा (मिमी)	70.0	20.0	12.0	22.0	12.0
अधिकतम तापमान(से.)	32.0	32.0	35.0	35.0	35.0
न्यूनतम तापमान(से.)	27.0	26.0	26.0	27.0	27.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	98	95	90	88	90
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	75	69	60	58	65
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	4	2	1	6	7
पवन दिशा (डिग्री)	110	104	320	330	140
क्लाउड कवर (ओक्टा)	8	6	4	6	7
चेतावनी	बहुत भारी बारिश; अत्यधिक भारी बारिश; आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि	भारी वर्षा; आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि

पूर्वानुमान सारांश:

पिछले सप्ताह (29 जुलाई से 4 अगस्त) के दौरान 92.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 32.0 से 35.0oC और 26.0 से 27.0oC के बीच रहा। सुबह और शाम की सापेक्ष आर्द्रता क्रमशः 89-97% और 69-86% के बीच रही। हवा पूर्व, पश्चिम, दक्षिण-दक्षिण-पूर्व और पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम दिशा से 3.1-8.8 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली। पिछले सप्ताह अधिकांश दिनों मौसम बारिश वाला रहा। आगामी सप्ताह में 12-70 मिमी की हल्की से भारी वर्षा और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 32.0-35.0oC और 26.0-27.0oC के बीच रहने का अनुमान है। हवा पूर्व-दक्षिण, पूर्व-दक्षिण-पूर्व, उत्तर-पश्चिम, उत्तर-पश्चिम-उत्तर और दक्षिण-पूर्व दिशा से 1-7 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने की उम्मीद है। 5 अगस्त को अलग-अलग स्थानों पर गरज, बिजली, तूफान के साथ भारी से बहुत भारी वर्षा के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है और 6 अगस्त को गरज, बिजली, तूफान आदि के साथ भारी वर्षा के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। 7-9 अगस्त तक अलग-अलग स्थानों पर गरज, बिजली, तीव्र वर्षा और तूफान के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

भारी वर्षा के लिए लाल और नारंगी अलर्ट जारी किया गया है तथा आंधी, बिजली, तूफान आदि के लिए पीला अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

जलभराव से अंकुरण और बुवाई कार्य प्रभावित होते हैं, तोड़ी हुई कद्दूवर्गीय फसलें खराब हो जाती हैं। उचित जल निकासी की व्यवस्था करें और काटी गई उपज को अच्छी तरह से संग्रहित किया जाना चाहिए।

सामान्य सलाहकार:

किसान और अन्य संबंधित समुदाय नियमित मौसम की जानकारी और वर्षा अलर्ट के लिए "मौसम" ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। "मेघदूत" और "दामिनी" जैसे अन्य ऐप भी क्रमशः मौसम संबंधी और बिजली संबंधी आंकड़ों के नियमित अपडेट के लिए उपलब्ध हैं। सभी ऐप्स गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) से आसानी से डाउनलोड किए जा सकते हैं। विस्तारित अवधि का पूर्वानुमान 01.08.2025 से 07.08.2025 के दौरान कम वर्षा, सामान्य अधिकतम और न्यूनतम तापमान की प्रवृत्ति दर्शाता है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, भारी वर्षा की भविष्यवाणी की गई है, इसलिए खेतों में जल निकासी के उचित उपाय किए जाने चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	चावल के खेत में 20 और 40 दिनों के अंतराल पर निराई-गुड़ाई करनी चाहिए। हल्की बारिश वाले दिनों में हाथ से निराई-गुड़ाई की जा सकती है। रोपे गए चावल के खेतों में उर्वरकों और खरपतवारनाशकों का रासायनिक प्रयोग साफ़ मौसम में करना चाहिए। बारिश के बाद भी, रासायनिक प्रयोग अनुकूलतम नमी की स्थिति में ही करना चाहिए। चावल के खेतों में जल स्तर 5-7 सेमी तक बनाए रखना चाहिए।
गन्ना	जलभराव की स्थिति में, उचित जल निकासी की व्यवस्था करें और गन्ने की जड़ों में पर्याप्त मिट्टी डालें। जब फसल अच्छी बढ़वार पर हो, तो उसे 5 फीट की ऊँचाई पर बाँध दें। खेती की गतिविधियाँ हल्की वर्षा वाले दिनों में या भारी वर्षा की भविष्यवाणी के बाद निर्धारित की जानी चाहिए।
मक्का	भारी वर्षा की स्थिति में जलभराव से बचें और उचित जल निकासी की व्यवस्था करें। अन्य सभी कृषि कार्य हल्की वर्षा वाले दिनों में या भारी वर्षा के बाद किए जा सकते हैं। भारी वर्षा की स्थिति में मक्का की बुवाई में देरी और निराई-गुड़ाई, जून में बोई गई फसल में यूरिया का प्रयोग स्थगित कर देना चाहिए।
काला चना	पहले से बोई गई फसल में उचित जल निकासी की व्यवस्था करनी चाहिए और भारी वर्षा की स्थिति में आगे की बुवाई स्थगित कर देनी चाहिए। हल्की वर्षा वाले दिनों में, खेत में पर्याप्त नमी होने पर बुवाई की जा सकती है। भरपूर उत्पादन के लिए, जैव-नियंत्रक ट्राइकोडर्मा पाउडर 5 ग्राम प्रति किग्रा की दर से उपचारित बीजों का प्रयोग करना चाहिए। इसके साथ ही, राइजोबियम और पी.एस.बी. जैसे जैव-उर्वरकों से 200 ग्राम प्रति 10 किग्रा बीज की दर से उपचारित बीजों का प्रयोग करना चाहिए।
मूँग	पहले से बोई गई फसल में उचित जल निकासी की व्यवस्था करनी चाहिए और भारी वर्षा की स्थिति में आगे की बुवाई स्थगित कर देनी चाहिए। हल्की वर्षा वाले दिनों में, खेत में पर्याप्त नमी होने पर बुवाई की जा सकती है। भरपूर उत्पादन के लिए, जैव-नियंत्रक ट्राइकोडर्मा पाउडर 5 ग्राम प्रति किग्रा की दर से उपचारित बीजों का प्रयोग करना चाहिए। इसके साथ ही, राइजोबियम और पी.एस.बी. जैसे जैव-उर्वरकों से 200 ग्राम प्रति 10 किग्रा बीज की दर से उपचारित बीजों का प्रयोग करना चाहिए।
मूँगफली	मूंगफली में बुवाई के 15-20 दिन के अंतराल पर निराई-गुड़ाई करनी चाहिए तथा खरपतवारों को रासायनिक रूप से नष्ट करने के लिए रासायनिक छिड़काव को स्थगित कर देना चाहिए तथा भारी वर्षा के दिनों के बाद करना चाहिए।खेतों में उचित जल निकासी की व्यवस्था की जानी चाहिए।
तिल	भारी वर्षा की स्थिति में बुवाई स्थगित कर देनी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
कद्दू	कद्दूवर्गीय फसलों पर अनियमित आकार के पीले धब्बे दिखाई देने पर, पत्तियों को पलटकर जाँच करनी चाहिए कि कहीं पत्तियों के निचले भाग में हल्के भूरे रंग का कवक तो नहीं दिखाई दे रहा है। खेत में जल निकासी की उचित व्यवस्था करनी चाहिए और रसायनों का प्रयोग स्थगित कर देना चाहिए।

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
टमाटर	वर्षा के बाद रोग फैलने की संभावना रहती है, इसलिए संक्रमित पौधों को तब नष्ट कर दें (जब मुरझाई हुई गुठलीदार पत्तियाँ दिखाई देने लगें)। विषाणु जनित रोगों और रस चूसने वाले कीटों पर नियंत्रण के लिए रासायनिक छिड़काव आवश्यक है। संक्रमित पौधों को नष्ट कर देना चाहिए और विषाणु जनित रोगों या रस चूसने वाले कीटों के लिए किसी भी रसायन का प्रयोग स्थगित कर देना चाहिए।
गोभी	भारी वर्षा की स्थिति में निराई-गुड़ाई का कार्य स्थगित कर देना चाहिए और हल्की वर्षा वाले दिनों में करना चाहिए। खेत में जल निकासी की उचित व्यवस्था होनी चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	जुलाई प्रसव का महीना है, इसलिए पशु के प्रसव के समय उसकी लगातार निगरानी करनी चाहिए और ब्याने के बाद अच्छी तरह से सफाई करनी चाहिए। गर्भाशय की सफाई के लिए यूट्रोटेन/हरिरा/ गाइनेटोन नामक दवाओं में से कोई भी एक दवा 200 मिली सुबह-शाम तीन दिन तक देनी चाहिए। वर्षा ऋतु में पशुशाला की नियमित रूप से 2-3 बार सफाई करनी चाहिए।
गाय	जुलाई प्रसव का महीना है, इसलिए पशु के प्रसव के समय उसकी लगातार निगरानी करनी चाहिए और ब्याने के बाद अच्छी तरह से सफाई करनी चाहिए। गर्भाशय की सफाई के लिए यूट्रोटेन/हरिरा/ गाइनेटोन नामक दवाओं में से कोई भी एक दवा 200 मिली सुबह-शाम तीन दिन तक देनी चाहिए। वर्षा ऋतु में पशुशाला की नियमित रूप से 2-3 बार सफाई करनी चाहिए।
बकरा	बकरी भेड़, बकरी और नवजात बछड़ों जैसे छोटे जुगाली करने वाले जानवरों को बरसात के दिनों में भीगने से बचाना चाहिए ताकि उन्हें सर्दी/खांसी/निमोनिया न हो।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

जलभराव, कटी हुई कद्दूवर्गीय फसलों के खराब होने से अंकुरण और बुवाई कार्य प्रभावित होते हैं।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

उचित जल निकासी की व्यवस्था की जानी चाहिए और तोड़ी हुई कद्दूवर्गीय फसल को अच्छी तरह से भंडारित किया जाना चाहिए या बिक्री के लिए तुरंत भेज दिया जाना चाहिए, बुवाई को स्थगित कर देना चाहिए।

Farmers are advised to download Unified ﷺ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details